

Padma Shri



SHRI KANAKA RAJU

Shri Kanaka Raju popularly known as Gussadi dance master in Telangana, is a Gond Adivasi who hails from the historical Marlawai village in Jainoor mandal of Komaram Bheem Asifabad district in Telangana State. He has trained several hundreds of Adivasi teenagers and youth in the Gussadi dance form for over 40 years now.

2. Born on 1st January, 1941, Shri Kanaka Raju was fascinated with Gussadi dance and learnt the esthetics of Gussadi dance in his childhood from his father Shri Kanaka Ramu. With his efforts, Gussadi art form has regained popularity not only among the Adivasis (Tribals) but also attracting non-tribals and foreign tourists to the district. The Gussadi dance is performed wearing a Gussadi hair cap made of around 1,500 peacock feathers locally known as Mal Boora, and animal skin around their waists. Apart from sustaining the dying dance form for over forty years, he also teaches it to young people for the traditional art form to live on.

3. Shri Kanaka Raju led cultural troupes to Delhi and performed as a part of Republic Day celebrations in Telangana State tableau in front of the esteemed guests that included the then Prime Minister Indira Gandhi and former President Abdul Kalam. With the support of IAS officer Late Shri Madavi Tukaram, he trained selected Adivasi youth and took them to Delhi to perform the dance on the occasion of Republic Day celebrations in the past. He was also associated with the Anthropologist Christoph Von Purer Haimendorf and his wife Beth Elizabeth during their stay at Marlawai village for their research on Adivasi culture and struggles for their rights on Jal, Jangal and Jameen in the erstwhile Adilabad district.

4. Shri Kanaka Raju received many appreciations and participation certificates for his services in the field of arts and for his best performances at various special occasions across the Telangana state. He got appreciation certificates from the Department of the Culture, Ministry of Tourism and Culture, Government of India for his Gussadi dance performance at Republic Day celebrations in Delhi in 1982 and 2004. He received Ugadi Puraskaram-2015 by the Telangana Government for his yeoman services in the field of arts and Gussadi dance; appreciation certificate for his Gussadi dance performance in Giri Gustav-2016 organized jointly by the Integrated Tribal Development Agency (ITDA), Utnoor and Telangana Tourism Department and appreciation certificates for his dance performance at Nagoba Jatara celebrations in 2012.



श्री कनका राजु

श्री कनका राजु को तेलंगाना में गुस्साड़ी नृत्य गुरु के रूप में जाना जाता है। वह एक गोंड आदिवासी हैं जो तेलंगाना राज्य के कोमाराम भीम आसिफाबाद जिले के जैनूरमंडल के ऐतिहासिक मरलावाई गांव के हैं। उन्होंने 40 से अधिक वर्षों से हजारों आदिवासी किशोरों और युवाओं को गुस्साड़ी नृत्य सिखाया है।

2. 1 जनवरी, 1941 में जन्मे, श्री कनका राजु को गुस्साड़ी नृत्य से बेहत लगाव था और उन्होंने बचपन में ही अपने पिता श्री कनकरामू से गुस्साड़ी नृत्य की बारीकियां सीखीं। उनके प्रयासों से, गुस्साड़ी कला शैली ने न केवल आदिवासियों के बीच लोकप्रियता हासिल की है, बल्कि गैर-आदिवासियों और विदेशी पर्यटकों को भी जिले की ओर आकर्षित किया है। गुस्साड़ी नृत्य, स्थानीय रूप से मल बूरा कही जाने वाली लगभग 1,500 मोर के पंखों से बनी गुस्साड़ी बालों की टोपी और कमर में जानवरों की खाल पहनकर किया जाता है। चालीस वर्ष से अधिक समय तक लुप्तप्रायः नृत्य शैली को कायम रखने के अलावा, वह इस पारंपरिक कला को आगे बढ़ने के लिए युवाओं को भी सिखाते हैं।

3. श्री कनका राजु ने दिल्ली में सांस्कृतिक दल का नेतृत्व किया और गणतंत्र दिवस समारोह में तेलंगाना राज्य की झांकी में भाग लेकर सम्मानित अतिथियों के समक्ष प्रदर्शन किया, जिनमें तत्कालीन प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी और पूर्व राष्ट्रपति श्री ए. पी. जे. अब्दुल कलाम शामिल थे। आईएस अधिकारी स्वर्गीय श्री माडवी तुकाराम के सहयोग से उन्होंने चयनित आदिवासी युवाओं को प्रशिक्षित किया और बाद में उन्हें गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर नृत्य करने के लिए दिल्ली लेकर गए। वह मानवविज्ञानी क्रिस्टोफ वॉन प्योरर हैमंडोर्फ और उनकी पत्नी बेथ एलिजाबेथ के साथ आदिवासी संस्कृति पर शोध के दौरान मरलावाई गांव में उनके प्रवास के दौरान और तत्कालीन आदिलाबाद जिले में जल, जंगल और जमीन पर उनके अधिकारों के लिए संघर्ष के साथ भी जुड़े थे।

4. श्री कनका राजु को कला के क्षेत्र में उनकी सेवाओं के लिए और तेलंगाना राज्य में विभिन्न विशेष अवसरों पर उनके सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए अनेक बार प्रशंसा और भागीदारी प्रमाणपत्र प्राप्त हुए। उन्हें वर्ष 1982 और 2004 में दिल्ली में गणतंत्र दिवस समारोह में अपने गुस्साड़ी नृत्य प्रदर्शन के लिए संस्कृति विभाग, पर्यटन और संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार से प्रशस्तिपत्र मिला। उन्हें तेलंगाना सरकार द्वारा कला और गुस्साड़ी नृत्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए उगादि पुरस्कार-2015 प्रदान किया गया। उन्हें एकीकृत जनजातीय विकास एजेंसी (आईटीडीए), उत्तूर और तेलंगाना पर्यटन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित गिरी गुस्ताव-2016 में और वर्ष 2012 में नागोबा जातरा समारोह में उनकी नृत्य प्रस्तुति के लिए प्रशस्तिपत्र प्रदान किया गया।